अन्तर्वासना की प्रशंसिका की बुर की पहली चुदाई-2

“मुझे अपनी जवानी पर नाज था, मैंने टीचर को फ़ंसा कर फ़ायदा उठाना चाहा… मैं उनके पास गई, कहा कि वो जो कहेंगे, मांगेंगे, मैं करुँगी, दूंगी, बस मुझे पास होना है ! …”

Story By: Rahul srivastav (rahulsrivas)
Posted: Thursday, March 23rd, 2017
Categories: गुरु घण्टाल
Online version: अन्तर्वासना की प्रशंसिका की बुर की पहली चुदाई-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अन्तर्वासना की प्रशंसिका की बुर की पहली चुदाई-2

अब तक आपने पढ़ा कि :
हर्ष सर मेरे क्लास टीचर थे, मुझे अपनी जवानी पर बहुत नाज था, मैंने हर्ष सर को फ़ंसा कर फ़ायदा उठाने का सोचा... मैं उनके पास गई, कहा कि वो जो कहेंगे, मैं करुँगी, बस मुझे पास होना है, जो मांगेंगे, वो मैं दूंगी।
अब आगे :

अचानक मैं उठ कर उनसे लिपट गई और बोली- सर, मुझे न जाने क्या हो रहा है..
हर्ष सर- यदि तुमको अच्छा लग रहा है तो लगने दो न... अभी तुमको और अच्छा लगेगा !
'पर सर, मैं पास तो हो जाऊँगी न ?' मैंने उनसे पूछा।
हर्ष सर- अगर हमको भी उतना ही अच्छा लगा जितना तुमको लग रहा है तो जरूर पास हो जाओगी !
कह कर उन्होंने अपनी शर्ट उतार दी।

उफ्फ... क्या बॉडी थी उनकी... घने बालों वाली, चौड़ी छाती। मसल वाली बाहें और उनकी जिस्म की खुशबू मुझको पागल कर रही थी।
मैं अपने हाथों से उनकी चौड़ी छाती सहलाने लगी जिसको सर ने मेरी रज़ामंदी मान ली।
सर ने मेरे गालों को पकड़ कर उठाया और मेरे पास आ गए। मैं उनकी गर्म सांसों को महसूस करने लगी। तभी मेरे होंठों पर उनके होंठ और एक चुम्बन... मैं कांप उठी और सर ने मेरे नीचे वाले लिप को चूसना शुरू कर दिया।

निप्पल को दबा देते तो मैं दर्द से तड़प कर उम्म्ह… अहह… हय… याह… करती।

उसके बाद सर मुझे चूमने लगे और फिर मेरी नाभि में अपनी जीभ को घुमाने लगे। सर जितने प्यार से मेरे जिस्म से खेल रहे थे कि उन्हें किसी बात की कोई जल्दी नहीं है। उनके इस तरह से मेरे जिस्म से खेलने के कारण मैं पानी छोड़ चुकी थी या यह कहें कि मैं एक बार झड़ चुकी थी।

मेरी साँसें तेज हो चुकी थी, मेरा अब तक का पहला अनुभव बेमिसाल था, मेरे मुख से सिर्फ और सिर्फ सिसकारियाँ ही निकल रही थी।
तभी उनके हाथों ने मेरे शॉर्ट्स के बटन खोल कर उसे उतारने लगे, मैं अब मना करने की स्थिति में नहीं थी, मैंने भी गांड उठा कर सहयोग किया और मेरी पेंटी के साथ मेरा शॉर्ट्स भी उतर गया.. मेरी बाल रहित गुलाबी कुंवारी बुर उनके सामने बेपर्दा थी।

हर्ष सर की आँखों के चमक बढ़ गई… और उन्होंने भी अपनी पैंट और अंडरवियर निकाल दिया… मेरे सामने उनका लंबा सा लंड था गोरा गोरा उनकी ही तरह ऊपर से गुलाबी…

तब तक भी मुझे इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि यह मेरी बुर के अंदर जायेगा.. पर अच्छा लग रहा था देखने में!

सर फिर मेरे ऊपर आ गए, पहली बार मेरा नंगा जिस्म किसी मर्द के नंगे जिस्म के संपर्क में आया था, मेरा कोमल मन और बदन में सिहरन से हो गई थी, उनका लंड मेरी जांघों के बीच में मेरी बुर में रगड़ खा रहा था… मेरे मुख से सिर्फ केवल 'उईईई ईईईई… आअह्ह्ह आह उफ्फ्फ़ ओह्ह सर.. आ… ओ… आ… की आवाज़ ही निकल रही थी।

सर मेरी चूचियों को मुख में भर कर चूस रहे थे, कभी मेरे निप्पल को काट लेते तो मेरे मुँह से दर्द भरी चीख़ निकल जाती 'आउच आहः लगती है सर!

पर सर कहाँ रुकने वाले थे… उनके हाथ मेरी बुर की दरार में फिसल रहे थे।

अचानक मैं चीख़ पड़ी 'आउच आय ओओह उफ्फ्फ…'
सर की एक उंगली मेरी कुंवारी बुर में प्रवेश कर चुकी थी, मेरी बुर का गीलापन उनकी उंगली के मेरी बुर में प्रवेश में सहारा बना… पर मेरे जिस्म में दर्द की लहर दौड़ गई… ऐसा दर्द मैंने कभी महसूस नहीं किया.. मुझे नहीं पता था की बुर में उंगली भी डाली जाती है। ये सब मेरे लिए नया था और मैं पागल सी हो रही थी..

न जाने कितनी देर तक वो मुझे चूमते सहलाते रहे उंगली को धीरे धीरे अंदर बाहर करते रहे… फिर वो उठ कर मेरे पैरों के बीच में आ गए.. मेरी जांघों से मेरे पैरों को पकड़ कर ऊपर उठा कर अच्छे से फैला दिया और मेरी बुर पर झुक गए।

तभी उनकी जीभ ने मेरी बुर को टच किया, मैं आनन्द और सिहरन से उछल गई… पर उनकी पकड़ मजबूत थी, मैं कसमसा कर रह गई।
उनकी जीभ मेरी बुर की दरार में अपना काम करने लगी, मैं आनन्द से पागल हुई जा रही थी- आआह्ह मत करो सर! कुछ हो रहा है हमें आअह्ह्ह ह्ह्ह सररर… क्या कर रहे हो आप!

मेरी बुर से पानी निकाल चुका था और मैं थक कर चूर हो चुकी थी।
यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

कि सर अचानक उठ कर मेरी चूचियों पर बैठ गए सर का लंड मेरे मुँह के पास था, एक अजीब से महक आ रही थी जो मुझे पागल कर रही थी।

फिर एक और नया अनुभव… उनका लंड मेरे होंटों पर रगड़ने लगा, उसका दबाव मेरे होंटों पर था, मैं वो सह नहीं पाई, मेरा मुँह खुल गया और उनके लंबा लंड मेरे मुख के अंदर

था... मैं उस मोटे और बहुत लम्बे लंड को ठीक से मुँह में ले भी नहीं पा रही थी पर सर की आवाज़ से लग रहा था कि उनको काफी मजा आ रहा था।

'उफ्फ ओह्ह आआह्ह... ऐसे ही करो... थोड़ा सा थूक लगा कर चूसो... आअह्ह्ह्ह आ ऋचा... तुमको मैं पास करा दूंगा! बस ऐसी ही चूसती रहो..'
साथ में वो मेरे गाल को सहला रहे थे, कभी हाथ पीछे ले जाकर मेरे निप्पल को जो से मसल देते पर मेरी दर्द से भरी चीख बाहर नहीं आ पाती।

अचानक सर ने स्पीड बढ़ा दी... वो जोर जोर से लंड को मुह के अंदर बाहर करने लगे... अचानक उनके मुंह से 'आअहह्ह ऋचा आ आ आअ अईह आह...' की आवाज़ निकली, उन्होंने मेरी सर जोर से पकड़ कर अपना लंड मेरे मुँह में पूरा डाल दिया और मुझे उसमें से कुछ निकलता हुआ लगा, फिर मेरा मुँह कुछ अजीब से स्वाद से भर गया.. मैं उसको बाहर निकालना चाहती थी पर लंड पूरा मुँह में था तो मुझे उसको गटकना पड़ा, कसैला सा अजीब सा स्वाद था!

अब उनका लंड सिकुड़ कर छोटा होकर मेरे मुँह निकल आया और वो मेरे बगल में गिर कर जोर जोर से साँस लेने लगे।
मैं तुरंत बाथरूम में गई और पानी से मुह के अंदर तक साफ किया पर वो स्वाद मुँह से जा ही नहीं रहा था।

फिर मैं उसी अवस्था में यानि नंगी अवस्था में बाहर आकर मैंने सर का नग्न जिस्म को रोशनी में ठीक से देखा तो अच्छा लगा।
मैं उनके पास गई तो उन्होंने मेरा हाथ पकड़ के अपनी तरफ खींच लिया और मेरे लिप्स को चूसने लगे... मेरे अंदर फिर से कुछ होने लगा।

पर मैंने रुक कर पूछा- सर, मैं पास तो हो जाऊँगी ना?

सर ने कहा- अगर तुम कल फिर आओगी तो मैं सोचूंगा!

मुझे काफी देर हो गई थी तो मैंने अपने कपड़ों को समेट कर पहन लिया।
हर्ष सर- कल इसी टाइम आना और आज जो भी हुआ उसका जिक्र किसी से ना करना नहीं तो तुम पास नहीं हो पाओगी!
मैं- जी सर..

और मैं वहाँ से निकल कर घर आ गई।
rahulsrivas75@gmail.com

Other stories you may be interested in

हवसनामा : सुलगती चूत-1

‘हवसनामा’ के अंतर्गत मैं यह तीसरी कहानी लिख रहा हूँ पारूल नाम की एक चौबीस वर्षीय महिला की, जिसके जीवन में सेक्स की कितनी अहमियत थी, यह उससे बेहतर कोई नहीं समझ सकता था और सालों साल इसके लिये तड़पने […]

Full Story >>>

कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-16

अब तक आपने पढ़ा था कि पुनीत अपने दो नीग्रो साथियों के साथ मुझे चोदे जा रहा था. वो मेरी गांड में अपना लंड पेलते हुए मैक से कह रहा था कि इसकी चूत में जम के लंड पेलो.. इसको […]

Full Story >>>

सेक्सी गर्लफ्रेंड की पहली चुदाई

मेरा नाम विशाल भारद्वाज है. मेरी उम्र 20 साल है, मैं अभी पढ़ाई कर रहा हूँ। मैंने अन्तर्वासना की प्रकाशित सारी चोदन कहानियां पढ़ी हैं। आज मैं अपने जीवन की पहली आपबीती लिख रहा हूँ। अगर कुछ कमी रह जाए […]

Full Story >>>

जाटनी गर्लफ्रेंड की चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम आर.जे. जाट है, मैं राजस्थान का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 27 साल है और मेरे लंड का साइज़ 9 अंगुल के करीब है. मैं राजस्थान पुलिस में ही काम करता हूँ. मैं अपने जीवन की एक […]

Full Story >>>

कभी साथ न छोड़ना रवि जी, प्लीज !

रवि जी ने स्पीड ब्रेकर के पहले अपनी मोटर साइकल को धीमा किया और ब्रेकर को पार करते वक्त इस तरह आगे की ओर झुक गए कि मेरे बूब्स उनकी पीठ से न टकरा जाये। दूसरा कोई लड़का होता तो […]

Full Story >>>